family type biogas plants were set up against a cumulative target of about 11.61 lakh plants for the period 1985-93, under the National Project on Biogas Development. The shortfall in achievement by 26,930 family-type biogas plants in 9 States and 4 Union Territories and by National Dairy Development Board, was more than made up by other States and agencies. Under the Community and Institutional Biogas Plants Programme also, a total of 917 plants were set up against a target of 830 plants during the period 1985-93.

(c) and (d) In para 7.1.11 on Research and Development on Biogas, CAG has noticed only four irregularities: three relating to procedural requirements and one regarding expenditure on the development of three new models. The steps proposed to be taken in this regard are (i) getting draft final report of a research project within the last quarter of completion of the project (ii) keeping a reasonable amount of the sanctioned project cost for release on submission of final report; (iii) evaluating final report internally in the Ministry or by referring to two or three experts, or both.

उत्तर प्रदेश में धुआं रहित बायो-गैस चूल्हे

474. **मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में धुआंरहित बायोगैस चूल्हा संयंत्र लगाये गये हैं ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार 1994-95 तथा 1995-96 के दौरान राज्य के और अधिक जिलों में बायोगैस तथा धुंआरहित चूल्हा संयंत्र लगाने का विचार रखती है ; और

(घ) सरकार ने उक्त अवधि में इस प्रयोजनार्थ राज्य के लिये कितनी धनराशि आबंटित की है ?

गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोत राज्य मंत्री (श्री एम० कृष्ण कुमार) : (क) और (ख) जी हां। राष्ट्रीय बायोगैस विकास परियोजना और राष्ट्रीय उन्नत चूल्हा कार्यक्रम के तहत वर्ष 1993-94 तक उत्तर प्रदेश राज्य में क्रमशः कुल 2.43 लाख से अधिक परिवार आकार के बायोगैस संयंत्र और 21.58 लाख धुंआरहित चूल्हे स्थापित किए गए हैं ।

(ग) जी हां। वर्ष 1994-95 के दौरान राष्ट्रीय बायोगैस विकास परियोजना और राष्ट्रीय उन्नत चूल्हा कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में कार्यान्वित किए जा रहे हैं और इनके वर्ष 1995-96 में भी जारी रहने की संभावना है ।

(घ) बायोगैस और उन्नत चूल्हा कार्यक्रमों के तहत अलग-अलग वित्तीय आबंटन नहीं किए जाते हैं । परन्तु राशियां, वस्तुपरक लक्ष्य, जो कि वार्षिक आधार पर निर्धारित किए जाते हैं, वर्ष के दौरान प्राप्त की गई प्रगति और अन्य अनुमोदित मानदंडों के आधार पर अग्रिम रूप से जारी की जाती हैं । वर्ष 1994-95 के लिए उत्तर प्रदेश राज्य को 10,000 बायोगैस संयंत्रों और 3.30 लाख उन्नत चूल्हों की स्थापना का लक्ष्य आबंटित किया गया है और तदनुसार राशियां जारी की जाएंगी ।

उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा के माध्यम से विद्युत उत्पादन की क्षमता

475. **मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी** : : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन की क्षमता बढ़ाने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस संबंध में कोई सर्वेक्षण कराया गया है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोत राज्य मंत्री (श्री एस. कृष्ण कुमार) : (क) और (ख) जी, हां ।

(ग) उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा के माध्यम से विद्युत उत्पादन हेतु सौर प्रकाशवोल्टीय (एस.पी.वी.) कार्यक्रम शुरू किया गया है जो उत्तर प्रदेश अपारंपरिक ऊर्जा विकास एजेंसी के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है । इस एजेंसी ने गांवों में छोटे गांव स्तर के एस.पी.वी. विद्युत संयंत्रों की संस्थापना के लिए विभिन्न जिलों में गांव स्तर पर सर्वेक्षण किए हैं, जो कि बिजली ग्रिडों से विशेष रूप से दूर हैं और जिनके पारंपरिक ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रम के माध्यम से अगले 5–10 वर्षों के दौरान विद्युतीकरण होने की संभावना नहीं है । अब तक 34 विद्युत संयंत्र संस्थापित किए गए हैं और राज्य में 31 संयंत्र कार्यान्वयनाधीन हैं ।

लघु जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना

476. **श्री विमलभाई हरिभाई शुक्ल** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने आठवीं पंच-वर्षीय योजना के दौरान 1000 लघु जल-विद्युत परियोजनायें स्थापित करने का निर्णय लिया है ;

(ख) क्या इस संबंध में अधिकांश राज्यों ने संयुक्त उद्यम में अपनी रुचि दिखलाई है ;

(ग) क्या डी.ई.पी.ए. की रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कर दी गई थी ;

(घ) उस विशेष रिपोर्ट में किन-किन मुख्य बातों का उल्लेख किया गया था; और

(ङ) किन-किन राज्यों में इस प्रकार की परियोजनायें स्थापित किए जाने का विचार है ?

गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोत राज्य मंत्री (श्री एस. कृष्ण कुमार) (क) जी, नहीं । तथापि, इस मंत्रालय द्वारा आठवीं पंच-वर्षीय योजना के दौरान तय किया गया 600 मे.वा. का लक्ष्य लगभग 1000 लघु पन-बिजली विद्युत परियोजनाओं के माध्यम से प्राप्त किए जाने का प्रस्ताव है । ये परियोजनायें राज्य सरकारों द्वारा उनके अपने संसाधनों अथवा निजी क्षेत्र को शामिल करके स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है ।

(ख) संसाधनों में वृद्धि करने और लघु पन-बिजली परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न राज्यों द्वारा संयुक्त क्षेत्र की कम्पनियां बनाने की अवधारणा की जांच की जा रही है । तथापि, यह निवेश वातावरण और राज्य सरकारों की समग्र नीतियों पर निर्भर करेगा ।

(ग) और (घ) जी, नहीं । इस मंत्रालय द्वारा न तो ऐसी किसी विशेषज्ञ समिति की स्थापना की गई है और न ही इस मंत्रालय को कोई रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है ।

(ङ) इन परियोजनाओं की संभाव्यता और वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर विभिन्न राज्यों में स्थापित किए जाने की संभावना है

मध्य प्रदेश में गैर परम्परागत स्रोतों से बिजली उत्पादन

477. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में गैर-परम्परागत स्रोतों से बिजली का उत्पादन करने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश को इस उद्देश्य के लिए कितनी